एब लिंकन

पशुओं से प्रेम करते थे

एलेन जैक्सन

एब लिंकन

पशुओं से प्रेम करते थे

एलेन जैक्सन

आज से बहुत वर्ष पहले कैंटकी के जंगलों में एक लड़का रहता था जो पशुओं से प्रेम करता था.

वसंत ऋतु में उस लड़के, अब्राहम लिंकन, ने एक लोमड़ी देखी जिसने बच्चे दे रखे थे. शरद ऋतु में उसने रेकूनों को जंगल में बांजफल इकट्ठे करते देखा.

छोटी आयु में ही अब्राहम को अहसास हो गया था कि पशु भी दर्द और ख़ुशी महसूस करते थे और उनकी भी अपनी एक जीवनशैली थी.
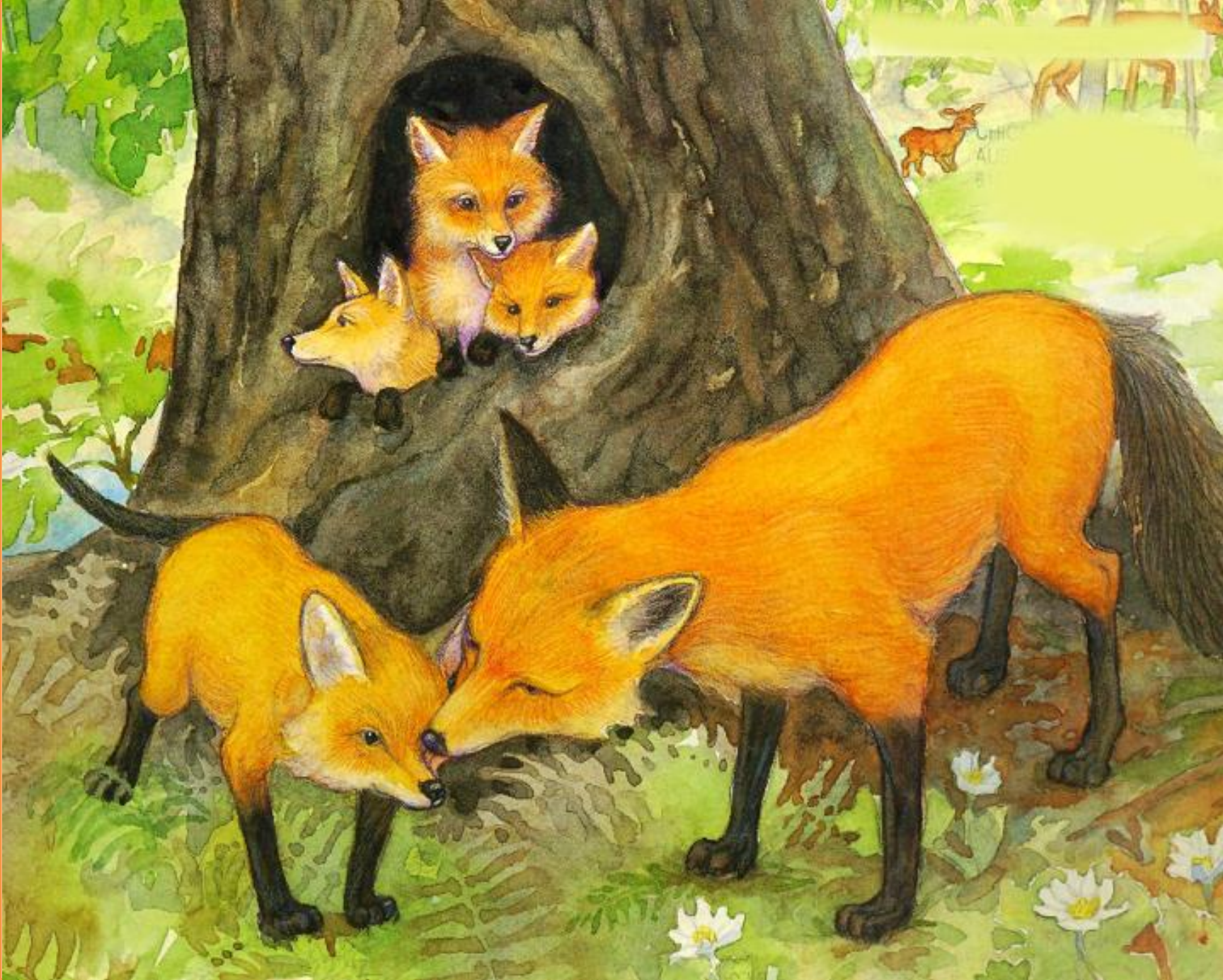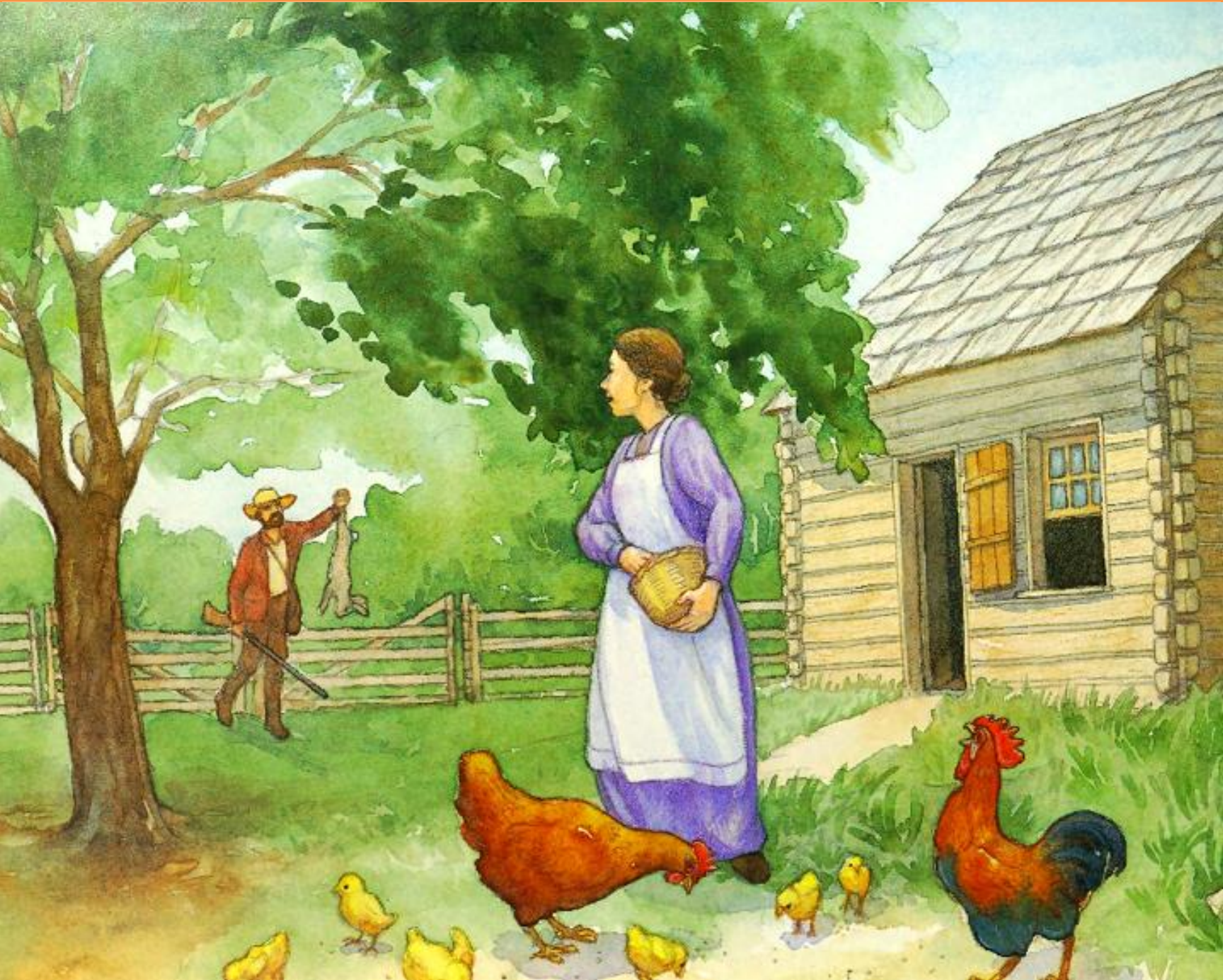
उस लड़के का परिवार, पहले केंटकी में और फिर इंडियाना में, एक फार्म में रहता था. अब्राहम और उनकी बहन सॉरा, पानी लाते थे, लकड़ियाँ काटते थे और बीज बोने और अनाज पीसने में अपनी माँ की सहायता करते थे. अब्राहम के पिता अकसर खरगोश या हिरण का शिकार करते थे. उन दिनों सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए पशुओं का शिकार करना अनिवार्यता ही थी. भोजन की व्यवस्था करने के लिए परिवार के हर सदस्य को मेहनत करनी पड़ती थी.
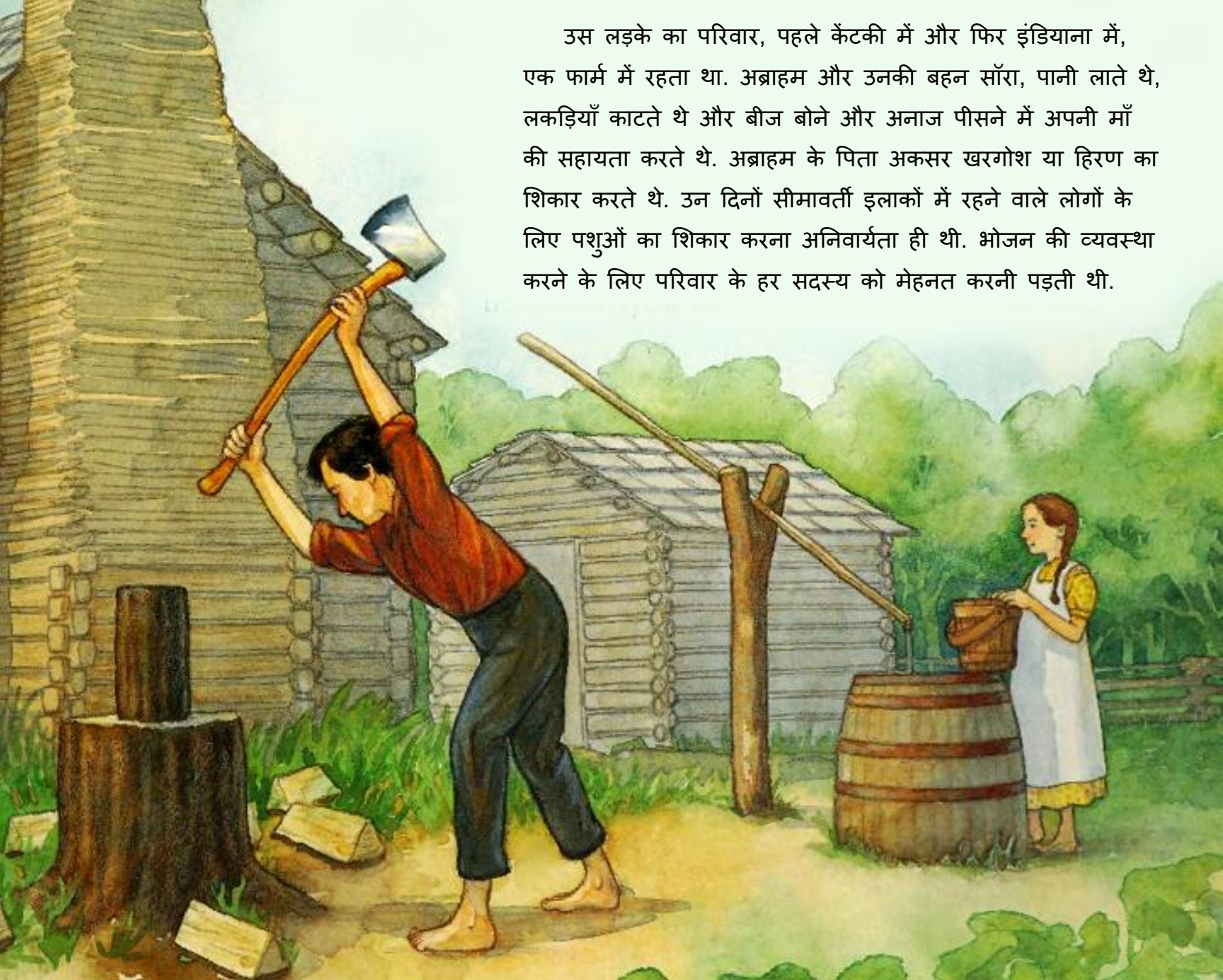
जब अब्राहम बड़े हुए तो उनका परिवार उनसे अपेक्षा करता था कि भोजन जुटाने में वह भी परिवार की सहायता करें. एक दिन उन्हें कुछ जंगली टर्की दिखाई दिये. उन्होंने अपनी बंदूक से निशाना लगाया और एक पक्षी को मार गिराया. लेकिन उस घायल पक्षी को देख कर उनका मन बहुत दुःखी हो गया. मैं कभी भी पशुओं का शिकार न करूंगा, उन्होंने मन ही मन सोचा. और उन्होंने फिर कभी शिकार न किया.

अन्य बच्चे अकसर पशुओं को परेशान किया करते थे. लेकिन अब्राहम ऐसा न करते थे. एक बार उन्होंने स्कूल में बच्चों को एक कछुए की पीठ पर जलते हुए कोयले रखते देखा. उन्होंने उन बच्चों से बात की और उन्हें ऐसा करने से रोका.

"पशुओं के साथ क्रूरता करना गलत होता है," उन्होंने बच्चों से कहा. "एक चींटी भी अपने जीवन को महत्व देती है."

युवा होने पर अब्राहम स्प्रिंगफील्ड, इलिनॉय, आ गये और वहाँ एक वकील के रूप में काम करने लगे. जब वह सिर्फ बीस वर्ष के थे तब उन्होंने एक भाषण दिया, जिसने सुनने वालों को इतना प्रभावित किया कि उसे एक समाचार पत्र में प्रकाशित किया गया. वहाँ के महत्वपूर्ण लोगों का ध्यान उनकी ओर गया. लेकिन तब भी अब्राहम पशुओं के लिए समय निकाल ही लेते थे.

एक दिन वह और उनके मित्र घोड़ों पर सवार हो कर कहीं जा रहे थे. जैसे वह आलूबुखारों के और सेबों के पेड़ों के एक झुंड के पास से गुज़रे कि अब्राहम रुक गये. किसी पक्षी के दो छोटे बच्चे, टूटे पत्तों के सामान उड़ कर, अपने घोंसले से बाहर नीचे गिर गये थे.

अब्राहम अपने घोड़े से नीचे उतरे. नन्हें पक्षियों को उन्होंने उठा लिया और फिर पेड़ पर चढ़ गये और उन्हें घोंसले में वापस रख दिया.

“क्या मूर्खता है!” अब्राहम के मित्र जोशुआ स्पीड ने कहा. “तुम ने अपना बढ़िया सूट खराब कर लिया है.”

“अगर मैं इन नन्हें पक्षियों की सहायता न करता तो मुझे रातभर नींद न आती,” अब्राहम ने धीमे से कहा. उन्हें इस बात की कोई परवाह न थी की उनके मित्र उन पर हँस रहे थे.
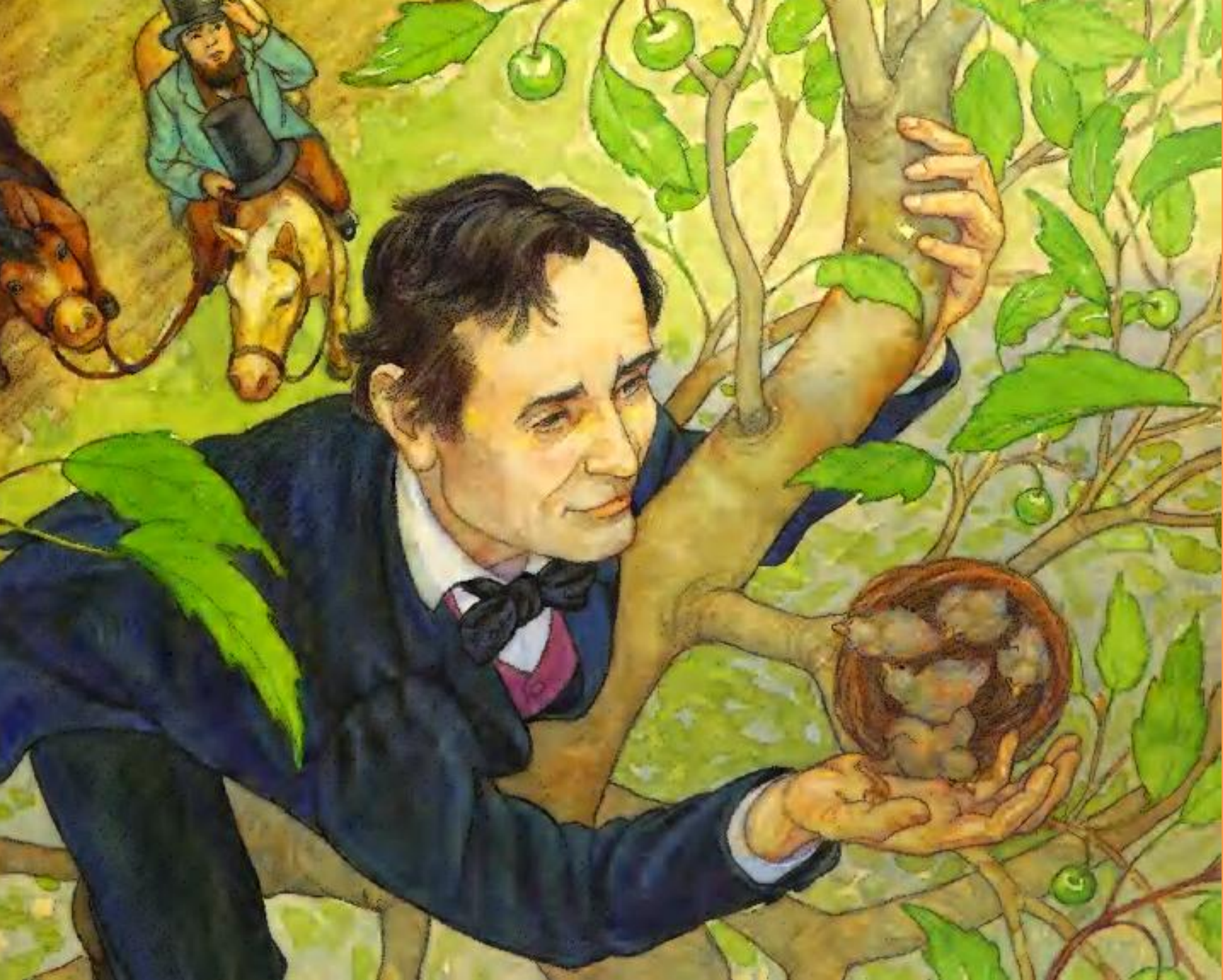
सन 1839 में एक नृत्य के दौरान, अब्राहम के भेंट एक स्नेही और साहसी लड़की, मैरी टॉड, से हुई. तीन वर्ष बाद दोनों ने विवाह कर लिया. अगले ग्यारह वर्षों में उनके चार पुत्र हुए: रोबर्ट, एड्डी, विल्ली और टेड.

अब्राहम अपने घर में बिल्लियों, कुत्तों और उनके बच्चों के लिए जगह बना ही लेते थे. उन्हें और उनके बेटों को जंगल में घूमना और वहाँ पर तितलियों और कीड़ों और पत्थरों की खोज करना अच्छा लगता था.

निकट के नगरों में जिन लोगों को किसी वकील की आवश्यकता होती थी उनके साथ काम करने के लिए अब्राहम वहाँ जाया करते थे. वह अपने प्रिय घोड़े, ओल्ड बॉब, पर सवार होकर यात्रा करते थे. यात्रा पूरी करने के बाद वह बॉब के पाँव जांचते थे, उसकी नाक सहलाते थे और खाने के लिए उसे गाजरें दिया करते थे.

एक कुत्ता फिडो, जिसके कान लटके हुए थे, लिंकन परिवार के साथ रहने लगा. अब्राहम और फिडो अकसर एक साथ बाज़ार जाते, कुत्ता अपने मुंह में कोई पार्सल थामे रहता. जब अपने बाल बनवाने के लिए अब्राहम बिली बार्बर की दूकान जाते तो फिडो धैर्य के साथ बाहर बैठ कर उनकी प्रतीक्षा करता. अगर बच्चों का कोई झुंड आ जाता तो अब्राहम के बाहर आने तक फिडो उछल कर उन बच्चों के साथ खेलने लगता.

बिली बार्बर
की दूकान
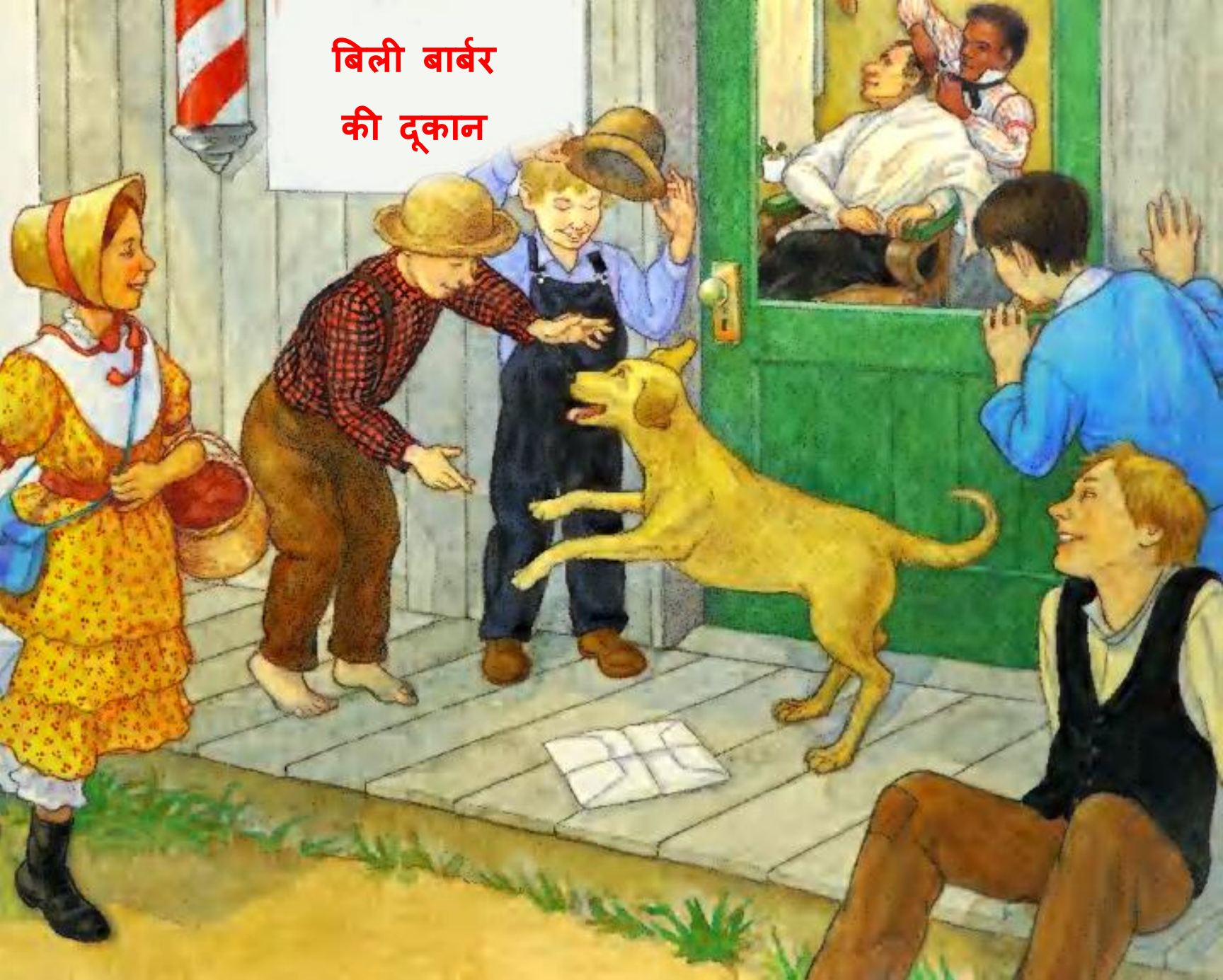
अब्राहम यूनाइटेड स्टेट्स के हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिवेस के एक अवधि के लिए सदस्य भी रहे. सन 1860 में वह यूनाइटेड स्टेट्स के राष्ट्रपति पद के लिये प्रत्याशी बने. जब वह चुनाव जीत गये तो उनका परिवार वाशिंगटन डी सी में स्थित वाइट हाउस में आ गया.

बड़े खेद से अब्राहम ने निर्णय लिया कि फिडो परिवार के साथ नहीं आयेगा. वाशिंगटन तक ट्रेन की यात्रा लंबी और कठिन थी और परिवार के पास साथ ले जाने के लिए बहुत सारा सामान था.

अब्राहम ने अपने एक पड़ोसी, रोल्स, को निवेदन किया कि वह फिडो को अपने पास रख लें. उन्होंने रोल्स को फिडो का मन-पसंद सोफा भी दे दिया.

“आपको वचन देना होगा,” अब्राहम ने रोल्स से कहा, “ कि अगर फिडो गंदे पैर लेकर घर के भीतर आयेगा तो आप उसे डांटेंगे नहीं. उसे कभी भी पिछले अहाते में अकेले बाँध कर न रखेंगे और जब भी वह दरवाज़े को खरोंच मारेगा तो आप उसे घर के भीतर आने देंगे.”

फिडो के नये परिवार ने सारी शर्तें स्वीकार कर लीं. वह देश के नये राष्ट्रपति को मना कैसे कर सकते थे? वाशिंगटन जाने से पहले लिंकन परिवार ने फिडो की कैमरे से एक तस्वीर खिंचवाई. फोटोग्राफी की कला अभी आरम्भ ही हुई थी और यह किसी राष्ट्रपति के पालतू पशु की पहली तस्वीर थी.
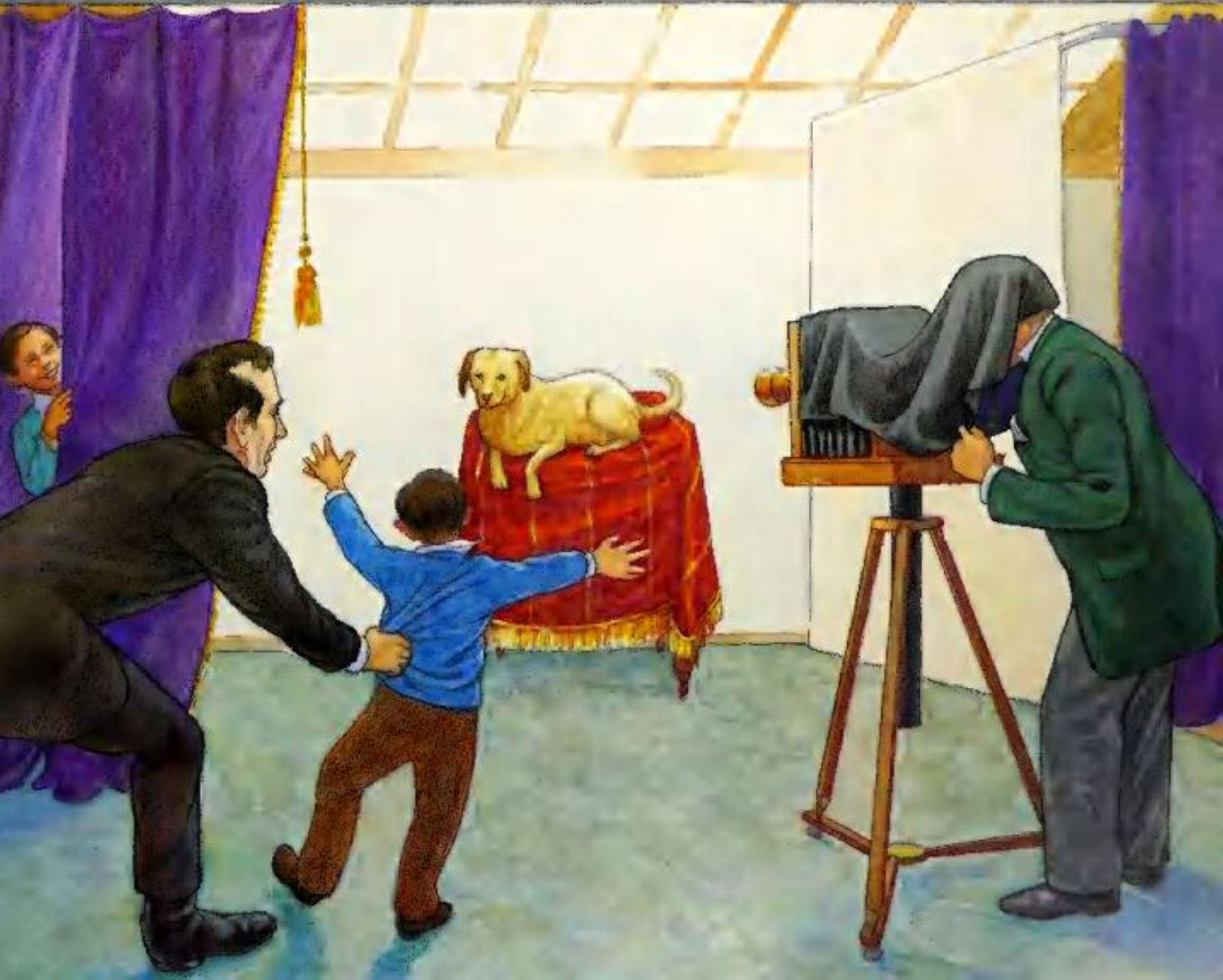
वाशिंगटन में लिंकन परिवार ने अपने नये घर को कई पालतू पशुओं से भर दिया-खरगोश, कुत्ते, बिल्लियाँ, और यहाँ तक की उनके पास कुछ बकरियाँ भी थीं. अब्राहम के सबसे छोटे बेटे, टेड, ने एक बार बकरियों को एक कुर्सी के साथ बाँध दिया और उन्हें सारे वाइट हाउस में घुमाने लगा और एक रिसेप्शन पर आई महिलाओं को तितर-भीतर कर दिया.

एक अतिथि ने देखा कि राष्ट्रपति अपनी बिल्ली को, जो डिनर के समय उनके पास वाली कुर्सी पर बैठ गयी थी, बहुत लाड़-प्यार करते थे. “क्या तुम्हें नहीं लगता कि मिस्टर लिंकन का टेब्बी को सोने के चम्मच से खाना खिलाना शर्मनाक है?” मिसेज़ लिंकन ने अतिथि से पूछा.

“अगर राष्ट्रपति ब्यूकेनन सोने के चम्मच से खा सकते थे तो टेब्बी भी खा सकती है,” अब्राहम लिंकन ने कहा.

नये राष्ट्रपति कई समस्याओं से उलझ रहे थे. सन 1860 यूनाइटेड स्टेट्स के कुछ राज्यों में दास प्रथा प्रचलित थी जबकि अन्य राज्य में दास रखने की अनुमति न थी. दास प्रथा एक ऐसी कुरीति थी जिसके अनुसार श्वेत लोग अश्वेत लोगों को दास बना कर रख सकते थे. इन दासों से बहुत काम लिया जाता था और उनके साथ क्रूर व्यवहार किया जाता था. अब्राहम लिंकन ने आश्वासन दिया था कि जो क्षेत्र भविष्य में अमरीका के राज्य बनेंगे उन राज्यों में दास प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा. “मेरा विश्वास है कि मेरी सरकार सदा के लिए ऐसी स्थिति को सहन नहीं कर सकती जिसमें आधे लोग स्वतंत्र हों और आधे दास.”

अब्राहम लिंकन के चुनाव जीतने पर दक्षिण के कुछ राज्य, जहाँ दास प्रथा प्रचलित थी, यूनियन से अलग हो गये और उन्होंने अपना एक अलग संघ बना कर नई सरकार बना ली. लेकिन अपने देश की अखंडता बनाये रखने के लिए अब्राहम लिंकन युद्ध करने को भी तैयार थे.

शीघ्र ही यूनाइटेड स्टेट्स में एक भयंकर गृह युद्ध आरम्भ हो गया. अब्राहम लिंकन को लगा कि अगर यूनियन को बचाए रखना है तो दास प्रथा समाप्त करनी होगी. सन 1863 में दासों की मुक्ति की घोषणा की गई जिसके अंर्तगत विद्रोही राज्यों के सब दासों को मुक्त कर दिया गया. कई लोग राष्ट्रपति के इस निर्णय के लिए उनसे घृणा करने लगे. अन्य लोगों का मानना था कि वह एक महान व्यक्ति थे. साहस के साथ अब्राहम लिंकन ने यूनाइटेड स्टेट्स की सरकार को सब लोगों की स्वतंत्रता के प्रति वचनबद्ध कर दिया था.

युद्ध चलता रहा. युद्ध स्थल पर मृत सैनिकों के शवों के ढेर सूखे पत्तों के ढेरों सामान ऊंचे थे. चिंता से अब्राहम लिंकन का चेहरा दुबला-पतला और निस्तेज हो गया था.

राष्ट्रपति को पशुओं के संगत में कुछ मानसिक विश्राम मिलता था. एक बार यूनियन सेना के सेनापति, जनरल ग्रांट, से मिलने वह सेना मुख्यालय जा रहे थे. रास्ते में उन्हें बिल्ली के तीन बच्चे दिखाई दिये. हाल ही में उनकी माँ की मृत्यु हुई थी. उन्होंने ने उन बच्चों को उठा लिया और उन्हें सहलाने लगे. उन्होंने वहाँ के कर्नल से कहा, “मुझे विश्वास है कि आप इन माँ-विहीन बच्चों का ध्यान रखेंगे और पीने के लिए इन्हें दूध देंगे.” कर्नल ने आश्वासन दिया की बिल्ली के बच्चों की पूरी देखभाल की जायेगी.

युद्ध में व्यस्त होने के बावजूद, अब्राहम अपने लड़कों के लिए समय निकाल ही लेते थे. एक वर्ष, क्रिसमस के ठीक पहले, टेड को वाइट हाउस के बगीचे में घूमता हुआ एक बड़ा टर्की मिला. टेड ने उसका नाम जैक रख दिया. उसकी गर्दन पर एक रस्सी बाँध कर वह उसे वाइट हाउस में घुमाने लगा और सब कर्मचारियों से उसे मिलाया.

“अरे, अपने क्रिसमस डिनर से तुम्हारी भेंट हो गई,” रसोइये ने टर्की को देख कर कहा.

क्या! क्या जैक को मार कर क्रिसमस के भोज के लिए पकाया जाएगा? टेड राष्ट्रपति के ऑफिस की ओर भागा जहाँ उसके पिता एक बड़ी महत्वपूर्ण मीटिंग में व्यस्त थे.

“पापा,” टेड ने कहा. “प्लीज, उन्हें जैक को मारने न दें. वह एक अच्छा पक्षी है और उसे मारना उचित न होगा.”

अब्राहम ने धीरज से उसकी बात सुनी. कई वर्ष पहले उन्होंने भी एक टर्की को गोली से मारा था. जो दुःख उन्हें उस समय हुआ था वह शायद फिर से उनके मन में उजागर हो गया. लेकिन इस बार घटनाक्रम का अंत अलग होगा.

“वह एक अच्छा पक्षी है, टेड,” अब्राहम ने कहा. “मैं उसे क्षमा कर दूंगा. आखिर, मैं राष्ट्रपति हूँ.”

फिर अब्राहम लिंकन ने जैक के लिए राष्ट्रपति का क्षमादान आदेश लिख कर हस्ताक्षर किये. अब वह पक्षी लिंकन परिवार का सदस्य बन गया.

सन 1864 में अब्राहम लिंकन फिर से चार वर्षों के लिए राष्ट्रपति पद के लिए चुने गये. लेकिन गृह युद्ध की समाप्ति और देश के एकजुट होने के तुरंत बाद अप्रैल 1865 में एक हत्यारे ने गोली मार कर अब्राहम लिंकन की हत्या कर दी. देश में कई लोगों ने अपने प्रिय राष्ट्रपति की मृत्यु पर शोक मनाया.

जब राष्ट्रपति लिंकन को स्प्रिंगफ़ील्ड इलिनॉय में दफनाया गया, ओल्ड बॉब चाँदी के किनारे वाला कंबल पहने शवयात्रा के पीछे-पीछे चल रहा था. फिडो को भी उसके पुराने घर ले आया गया ताकि शोकाकुल लोग उससे मिल पायें.

आज, हर जगह लोग अब्राहम लिंकन का सम्मान करते हैं क्योंकि वह ऐसे राष्ट्रपति थे जिन्होंने देश को अखंड बनाये रखा और दासों की मुक्ति की घोषणा की.

अब्राहम के पशु प्रेम को लोग आज भी स्मरण करते हैं. हर वर्ष थैंक्सगिविंग के उपलक्ष्य पर यूनाइटेड स्टेट्स के राष्ट्रपति एक टर्की को क्षमा करते हैं- वैसे ही जैसे अब्राहम लिंकन ने कोई सौ वर्ष पहले किया था.

अब्राहम लिंकन के हृदय में सब जीवों के लिए स्थान था, चाहे वह बड़े हों या छोटे. अमरीका के मूल निवासियों की एक दंतकथा के अनुसार जब एक मनुष्य की मृत्यु होती है, उसकी भेंट उन सब जीवों के साथ होती है जिनके साथ जीवन काल में उसकी मित्रता थी. अगर ऐसा है तो वायु से, जल से और धरती से कई आत्माओं ने अब्राहम लिंकन का स्वागत किया होगा.